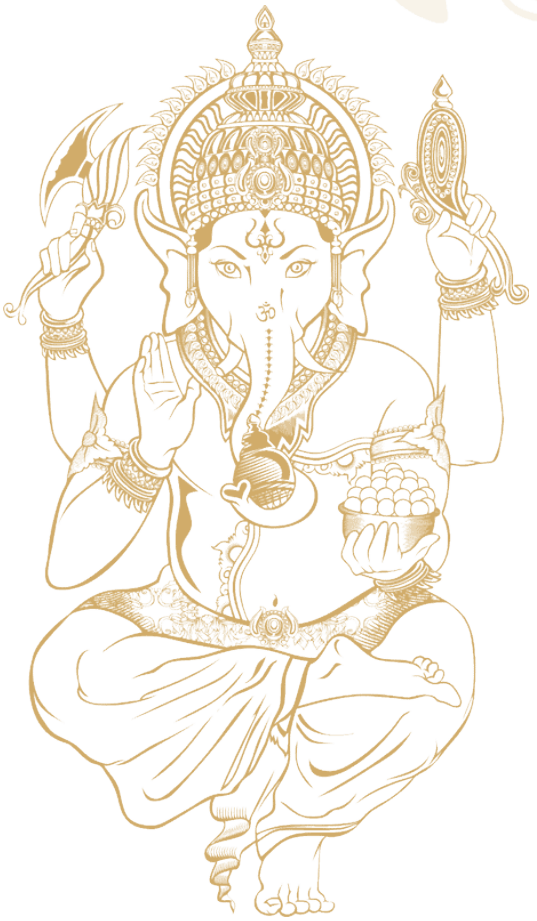

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120330706

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/10/1992	जन्म तिथि	8-09/05/1995
शुक्र-शनिवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 00:28:00	जन्म समय	00:40:00 घंटे
घटी 45:02:38	जन्म समय(घटी)	47:19:58 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Sikar
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:56	सूर्योदय	05:44:51
17:57:13	सूर्यास्त	19:06:46
23:45:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:40

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 7मा 19दि		10:01:37	कर्क	लग्न	मक	12:23:01	केतु 4वर्ष 8मा 10दि	
गुरु		29:54:07	कन्या	सूर्य	मेष	23:56:04	सूर्य	
06/06/2014		29:44:31	वृष	चंद्र	सिंह	04:23:26	17/01/2020	
06/06/2030		23:36:01	मिथु	मंगल	कर्क	29:10:18	17/01/2026	
गुरु	24/07/2016	19:53:31	तुला	बुध	वृष	14:57:41	सूर्य	06/05/2020
शनि	04/02/2019	07:32:45	कन्या	गुरु व	वृश्चि	19:32:13	चन्द्र	05/11/2020
बुध	12/05/2021	02:39:03	वृश्चि	शुक्र	मीन	26:18:19	मंगल	12/03/2021
केतु	18/04/2022	18:03:34	मक	शनि	कुंभ	28:15:43	राहु	04/02/2022
शुक्र	17/12/2024	29:24:05	वृश्चि	राहु	तुला	11:43:32	गुरु	23/11/2022
सूर्य	05/10/2025	29:24:05	वृष	केतु	मेष	11:43:32	शनि	05/11/2023
चन्द्र	04/02/2027	20:31:28	धनु	हर्ष व	मक	06:40:29	बुध	11/09/2024
मंगल	11/01/2028	22:31:15	धनु	नेप व	मक	01:43:26	केतु	17/01/2025
राहु	06/06/2030	27:58:09	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	05:45:36	शुक्र	17/01/2026

लग्न-चलित

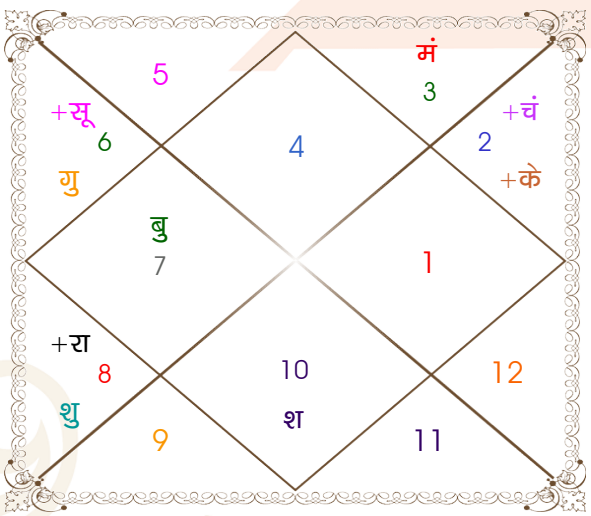

लग्न-चलित

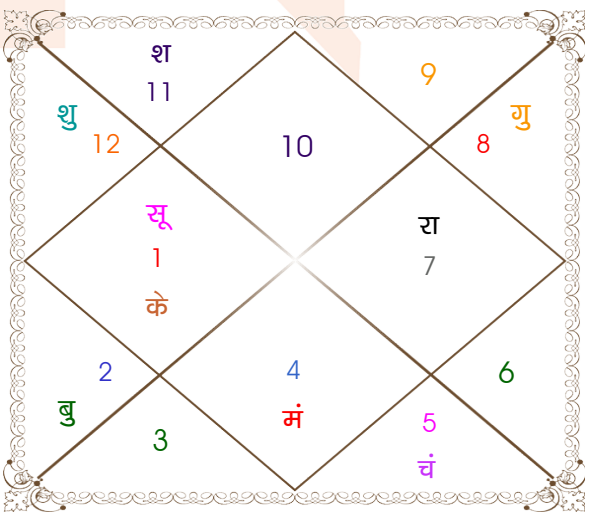

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।